केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान, (केंरेअवप्रसं), मैसूरु

केंरेअप्रसं, मैसूर में दि. **20** /21.04.2022 को वेबेक्स प्लैटफार्म के माध्यम से संपन्न अनुसंधान परिषद की 68वीं बैठक के कार्यवृत्त

संस्थान तथा इसके संबंद्ध एककों की अनुसंधान सलाहकार समिति की 68वीं बैठक दि. 20व 21 अप्रैल 2022 को केंरेअप्रसं, मैसूरु में संपन्न हुई जिसमें नई संकल्पना टिप्पणियों, समाप्त परियोजनाओं चालू अनुसंधान परियोजनाओं, विस्तार संचार कार्यक्रमों तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई । मुख्य संस्थान के वैज्ञानिकों ने प्रत्यक्ष रूप से बैठक में भाग लिया और संबद्ध एककों के वैज्ञानिक वेबेक्स प्लैटफार्म के माध्यम से बैठक में भाग लिया । बैठक में उपस्थित सदस्यों एवं प्रतिभागियों की सूची **अनुबंध I** में संलग्न है ।

बैठक के अध्यक्ष डॉ बाबूलाल, निदेशक, केंरेअप्रसं, मैसूर ने बैठक में उपस्थित मुख्य संस्थान एवं संबद्ध एककों के वैज्ञानिकों का बठक में स्वागत किया । उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि वे चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लें ताकि बैठक में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तवों में सुधार किया जा सके । आगे उन्होंने सभी परियोजना पी.आई से अनुरोध किया कि रिपोर्टाधीन वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार परियोजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें और यदि कोई कमी है तो सूचित करें । चर्चाओं व सुझावों का संक्षिप्त रूप नीचे प्रस्तुत है ।

1. दि.25.11.2021 को संपन्न 67वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

अनुसंधान परिषद की 67वीं बैठक के कार्यवृत्त सभी सदस्यों के बीच परिचालित किए गए थे । असस ने पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की । किसी भी सदस्य से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई ।

2. पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई की समीक्षा

डॉ मेरी जोसेफा शेरी, ए. वी, वैज्ञानिक डी ने पिछली आर.सी और आर.ए.सी बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की । मुख्य निर्णय निम्नवत् है ।

1. रेशम उत्पादन में असफलता का कारण और निवारक उपाय का पता लगाने हेतु अच्छा निष्पादन करने वालों की तुलना में घटिया निष्पादन करने वाले कृषकों की पहचान ।

निर्णय: समिति ने डॉ.मुत्तुलक्ष्मी, वैज्ञानिक-डी,सीम अनुभाग को विस्तारण एकक समेत सभी केंद्रों की संकल्पना टिप्पणी तैयार करके आर.एम.आई.एस-01 प्रारूप में केंद्रीय कार्यालय को अग्रेषित करने की सलाह दी ।

(डॉ.मुत्तुलक्ष्मी, वैज्ञानिक-डी,सीम अनुभाग)

2. मोबाइल एप्लिकेशन के लिए मशीन ज्ञान के सहारे कोसों का एन्ड्रॉइड आधारित वर्गीकरण एवं गुणवत्ता निर्धारण- 65वीं आर.सी में प्रस्तुत संकल्पना टिप्पणी

निर्णय:पी आई ने दि.13.09.2021 को संकल्पना टिप्पणी वापस लेने हेतु पत्र दिया था जिसके लिए समिति ने अनुमोदन दिया है ।

3. तेलंगाना के शहतूत एवं गैर शहतूती क्लस्टर में मुख्य रोग उत्पन्न करने वाले रोगजनकों से होने वाली आर्थिक क्षति का अध्ययन

निर्णय:समिति ने संशोधित प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा करने के बाद प्रस्ताव के लिए अनुमोदन नहीं दिया है क्योंकि यह केवल पीडक के लिए सुसंगत है ।

(कार्रवाई: विनोद कुमार यादव, वैज्ञानिक-सी,क्षेरेअकें, मुलुगु)

4.ए.आई.टी-3628: महत्वपूर्ण वाणिज्यिक विशेषकों के अनुक्रमण और जीनॉम वार सहलग्नता मानचित्रण के ज़रिए जीनोटाइपिंग द्वारा रेशमकीट(बोम्बिक मोरि.एल) में एस.एन.पी का मूल्यांकन (आर.वी.सी.ई, बेंगलूरु के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी विभाग से निधि प्रदत्त परियोजना)

निर्णय: डॉ.कुसुमा.एल,वैज्ञानिक-सी ने समाप्त परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

II. नई संकल्पना टिप्पणियों/परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा

1. स्थिरता हेतु शहतूत में ज़ीरॉ बजट प्राकृतिक कृषि पर अध्ययन

निर्णय: समिति ने पीएमसीई को सलाह दी कि एक अनुस्मारक पत्र भेजें ताकि केंद्रीय कार्यालय को प्रस्तुत संकल्पना टिप्पणी पर अनुमोदन प्राप्त हो सके ।

(कार्रवाई:वैज्ञानिक-डी, पीएमसीई)

2. रेशम शलभ में अंडनिक्षेपण के दौरान प्राकृतिक उद्दीपकों के अनुप्रयोग से अंडधारण क्षमता बढ़ाने पर अध्ययन

निर्णय: समिति ने वैज्ञानिक को सलाह दी कि संशोधित संकल्पना टिप्पणी आर एम आई एस-01 प्रारूप में प्रस्तुत करें ताकि केंद्रीय कार्यालय से अनुमोदन प्राप्त किया जा सके ।

(कार्रवाई:आर.भाग्या,वैज्ञानिक-डी,टीवीडीसी)

3. पत्ती नाइट्रोजन स्वांगीकरण के लिए शरीरक्रियात्मक प्रभाविता एवं विशेष चयापचयों के लिए वन्य शहतूत जननद्रव्य का मूल्यांकन

निर्णय: समिति ने पीएमसीई को सलाह दी कि केंद्रीय कार्यालय को प्रस्तुत संकल्पना टिप्पणी को स्वीकृति देने हेतु एक अनुस्मारक भेजें ।

(कार्रवाई: वैज्ञानिक-डी, पीएमसीई)

4. शहतूत में संवाहक आधारित नैनो उर्वरकों और नैनो पीडकनाशियों का विश्लेषण और अभिलक्षणन और शहतूत कृषि में उनका मूल्यांकन

निर्णय:समिति ने सलाह दी कि परियोजना सहयोगी से चर्चा करके संशोधित संकल्पना टिप्पणी प्रस्तुत करें ताकि उसे संस्वीकृति हेतु केंद्रीय कार्यालय को अग्रेषित किया जा सके ।

(कार्रवाई: धनेश्वर पधान, वैज्ञानिक-बी,सस्य विज्ञान)

5. रेशमकीटपालन रद्दी से बायोएथनॉल /जैव रासायनिक एवं सूक्ष्माणु ईंधन सेल उत्पादित करने की प्रक्रिया का विकास

निर्णय: समिति ने पीएमसीई को सलाह दी कि संकल्पना टिप्पणी पर केंद्रीय कार्यालय की स्वीकृति हेतु एक अनुस्मारक भेजें ।

(कार्रवाई: वैज्ञानिक-डी, पीएमसीई)

6. शहतूत पत्ती,टहनी और छाल द्वारा नैनो कण का हरित विश्लेषण; घाव सूखने हेतु नैनो कण एवं जैव सामग्री

निर्णय: समिति ने सलाह दी कि सहयोगी से चर्चा करके संशोधित संकल्पना टिप्पणी प्रस्तुत करें ताकि उसे संस्वीकृति हेतु केंद्रीय कार्यालय को अग्रेषित किया जा सके ।

(कार्रवाई: रविंद्रा,वैज्ञानिक-सी, मृ.वि व र.शा)

7. मृदा परीक्षण उपकरण के रूप में केंचुए और रेशमकीट का उपयोग

पी.आई ने प्रारंभिक अध्ययन हेतु संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया ।

(कार्रवाई: आर.कुलकर्णी, वैज्ञानिक-डी, क्षेरेअकें,कोडति)

दि.24&25.01.2022 को केंरेअप्रसं, मैसूरु में संपन्न असस की 47वीं बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्रवाई की समीक्षा

अनुमोदनार्थ नई परियोजनाएं

रेशम उत्पादन में श्रम कम करने हेतु विद्यमान मशीनों/प्रौद्योगिकियों में सुधार

निर्णय: समिति ने पी.आई को सलाह दी कि परियोजना सहयोगी से जानकारी लेकर विकसित की जाने वाली उपस्करों का विवरण डिज़ाइन और आरेखीय विवरण सहित तैयार करके अगली कार्रवाई हेतु केंद्रीय कार्यालय को प्रस्तुत करें । हितधारकों के लाभ के लिए निम्न लागत के उपकरण विकसित करने को कहा गया ।

(कार्रवाई:श्री एस.एम.हुक्केरी. वैज्ञानिक-डी,अविकें)

अनुमोदनार्थ प्रस्तुत अनुसंधान परियोजनाओं की संकल्पना टिप्पणी

1. उच्च शहतूत उत्पादकता हेतु अनुकूलित उर्वरक का विकास

निर्णय:समिति ने संकल्पना टिप्पणी को इस सुझाव सहित अनुमोदन दिया कि कार्य योजना, अध्ययन स्थान, विभिन्न प्रकार के मृदा का प्रभाव और अनुकूलित उर्वरक और विद्यमान उर्वरक का तुलनात्मक लेखा-जोखा आदि का भी उल्लेख करें ।

(कार्रवाई: डॉ.आर.महेश, वैज्ञानिक-सी, सस्य विज्ञान)

2. आर्द्रता प्रतिबल स्थितियों में पादप वृद्धि विकास सूक्ष्माणुओं से शहतूत पत्ती गुणवत्ता सुधार

निर्णय: समिति ने इस सुझाव के साथ संकल्पना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया कि अध्ययन में केंरेअप्रसं, मैसूरु और अन्य संगठनों से पहचान किए गए सूखा सहिष्णु मृदा सूक्ष्माणुओं एवं वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध संकायों को भी सम्मिलित करा लें ।प्रयोग संचालित किए जाने वाले स्थान का भी उल्लेख करने का सुझाव दिया गया ।

(कार्रवाई: दिव्या सिंह, वैज्ञानिक-बी, शशवि)

3. शरीरक्रियात्मक प्रभाविता और पत्ती उपज बढ़ाने हेतु चुने गए शहतूत जीनप्ररूपों का मूल्यांकन

निर्णय: समिति ने इस सुझाव के साथ संकल्पना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया कि चुने गए दस आशाजनक जीनप्ररूपों के साथ पीवाईटी के तौर पर अध्ययन करें । तदनुसार शीर्षक और उद्देश्य भी परिवर्तित करें ।

(कार्रवाई: गायत्री.टी, वैज्ञानिक-सी,शशवि)

4. अभाशसप्र-चरण-IV शहतूत जीनप्ररूपों के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन प्रोटोकॉल का मानकीकरण

निर्णय: समिति ने संकल्पना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया जो एमवीएसी की संस्तुति के अनुसार तैयार किया गया है ।

(कार्रवाई: तन्मय सरकार, वैज्ञानिक-सी,शप्रप्र)

5. शहतूत चरण -II में क्षारीयता सहिष्णुता के लिए क्यूटीएल मानचित्रण

निर्णय: समिति ने संकल्पना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया जो कि 47 वीं असस की बैठक में दिए गए सुझाव के अनुसार प्रस्तुत किया गया था और समाप्त परियोजना पीआईसी 3615 का विस्तार कार्य है । आगे सलाह दी गई कि परियोजना प्रस्ताव में चुने गए जीनप्ररूपों के मान्यकरण को शामिल करें और नाम एवं लक्ष्य परिवर्तित करें । तमिल नाडु के क्षारीय मृदा वाले स्थानों को सम्मिलित करने की संभावना खोजें । यह भी देखा गया है कि नेट वर्क परियोजना के दूसरे चरण में आण्विकी कार्य भी शामिल करा सकता है ।

(कार्रवाई: भव्या एम.आर, वै-सी,आ.जी.वि)

6. रेशमकीट बोम्बिक्स मोरि में शहतूत पत्ती की संवृद्धि करते हुए गुणवत्ता पैरामीटरों को बढ़ाने हेतु पारिस्थिति अनुकूल नानो कण आधारित अनुकूलित पोषण सूत्रीकरण का विकास

निर्णय: समिति ने समुचित उद्देश्य प्रस्तुत करने के सुझाव सहित संकल्पना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया । यह सलाह दी गई कि रेशमकीट के लिए नैनो कण की आविषालुता पर ध्यान दें और वाणिज्यिक तौर पर उपलब्ध सूत्रीकरण से बचें ।

(कार्रवाई: ई.भुवनेश्वरी,वैज्ञानिक.सी,रेशक्रिवि)

7. शहतूत में जीनोमिक दृष्टिकोण से आनुवंशिकी वृद्धि: एक बहु संघटक नेटवर्क परियोजना चरण-II

1. शहतूत में सह मानचित्रण और द्वि जनक विश्लेष्ण द्वारा उच्च सांद्रता वाले एस.एन.पी जीनोटाइपिंग समूह का मान्यकरण

2. शहतूत में सह मानचित्रण द्वारा सूखा अनुकूल विशेषकों, उपज अनुकूल विशेषकों तथा पोषण उपयोग क्षमता और सहलग्नता मानचित्रण द्वारा मूल विगलन रोग प्रतिरोध के लिए क्यूटीएल की पहचान ।

3. शहतूत में ट्रांस्क्रिप्टॉमिक्स विश्लेषण द्वारा वृद्धि एवं जीवेतर प्रतिबल संबद्ध जीन की खोज एवं मान्यकरण

4. निर्णय: समिति ने संकल्पना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया जोकि 47 वीं असस की बैठक में दिए गए सुझाव के अनुसार पिछली नेटवर्क परियोजना का विस्तार कार्य है ।

(कार्रवाई: अरुण कुमार.जी.एस,वैज्ञानिक-सी,आण्विकी जीव विज्ञान)

5. द्विप्रज रेशमकीट आनुवंशिक स्रोतों को मूल लक्षणों के समनुरूप बनाए रखना

निर्णय: समिति ने संकलपना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया और सलाह दी कि बहुप्रज नस्लों के लिए समान प्रस्ताव बनाएं ।

(कार्रवाई: एम.एस.रंजिनी, वै-सी व के.बी चंद्रशेखर, वै-सी, द्विप्र)

6. बोम्बिक्स मोरि से निष्कर्षित काइटोसन नैनोकण का प्रतिरक्षा नियंत्रक और सहौषध

निर्णय: समिति ने संकल्पना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया।

(कार्रवाई: मधुसूदन.के.एन, वै-डी,द्विप्रप्र)

7. उन्नत पैकेज प्रणाली अनुप्रयोग हेतु रेशम उत्पादन रद्दी से पृथक किए गए सेल्लुलोस एवं काइटिन का मूल्य वर्धन

निर्णय: समिति ने संकल्पना टिप्पणी के लिए अनुमोदन दिया।

(कार्रवाई: मधुसूदन.के.एन, वै-डी,द्विप्रप्र)

समाप्त परियोजनाओं की समीक्षा

1. पीआईसी-3620 जलवायु परिवर्तन के अनुकूल शहतूत में अभियांत्रिकी प्रकाश संश्लेषण: ए सी-4 दृष्टिकोण

निर्णय: डॉ तन्मय सरकार ने परियोजना समाप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

(कार्रवाई: डॉ तन्मय सरकार,वै-सी,शप्रप्र)

2. पीआईबी-3631: उप अनुकूलतम स्थितियों में सूखा अनुकूल विशेषक युक्त श्रेष्ठ शहतूत संकरों की पहचान हेतु प्राथमिक उपज मूल्यांकन

निर्णय:डॉ तन्मय सरकार ने परियोजना समाप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत की और समिति ने प्रगति नोट किया ।

(कार्रवाई: डॉ तन्मय सरकार,वै-सी,शप्रप्र)

3.पीआईसी-3615: शहतूत (मोरस प्रजाति) में क्षारीयता सहनशीलता हेतु क्यूटीएल मानचित्रण

निर्णय: श्रीमती एम.आर.भव्या ने परियोजना समाप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत की और समिति ने प्रगति नोट किया ।

(कार्रवाई : श्रीमती भव्या एम आर, वैज्ञानिक-बी,आण्विकी जीव विज्ञान-1)

4. एमएफएम 01020 सी एन: लिंग वर्गीकरण एवं रेशमकीट कोसों को अलग करने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता से समर्थित बहुसंवेदी प्रणाली विकसित करना

निर्णय: श्री एस.एम.हुक्केरी, वै-डी ने समिति को प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की समिति ने प्रगति नोट किया ।

(कार्रवाई : श्री एस.एम.हुक्केरी, वै-डी,एस ई डी)

5. पीआईसी010008 एस आई: रेशमकीट प्यूपीय अवशिष्ट/स्पेंट प्यूपे से काइटिन/काइटोसान का पृथककरण/अभिलक्षणन एवं वाणिज्यिक उपयोगिता

निर्णय: डॉ के.एन. मधुसूदन ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया, समिति ने प्रगति नोट किया ।

(कार्रवाई : डॉ के.एन. मधुसूदन, वै-डी,द्विप्रप्र)

6. पी.आर.ई. 0101 एस.आई: शहतूत में पत्ती रॉलर, डायफेनिया पल्वेरुन्टालिस (लेपिडोप्टेरा, पइरालिडे) के नियंत्रण हेतु एकीकृत पीड़क प्रबंधन (आईपीएम)मापदंड

निर्णय: डॉ.एस.महिबा हेलन ने परियोजना समाप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत की और समिति ने कृत कार्य नोट किया ।

(कार्रवाई : डॉ.एस.महिबा हेलन, वै-डी,पीप्रप्र)

7.एआरपी01012एसआई: रेशमकीट रोग एवं पीड़कों का आधारभूत अध्ययन करना तथा इनका प्रबंधन

निर्णय: डॉ ए.वी मेरी जोसेफा शेरी, वैज्ञानिक-डी ने प्रगति रिपोर्ट समिति को प्रस्तुत की और समिति ने कृत कार्य नोट किया ।

(कार्रवाई : डॉ ए.वी मेरी जोसेफा शेरी, वैज्ञानिक-डी,पीएमसीई)

8 पीआईईई3563: विभिन्न कृषि पद्धतियों के अधीन उपज क्षमता, पोषण उद्ग्रहण और उपयोग क्षमता के लिए उन्नत शहतूत जीनप्ररूपों का मूल्यांकन ।

निर्णय: डॉ. धनेश्वर प्रधान, वैज्ञानिक-बी ने समिति को परियोजना की प्रगति से अवगत कराया । समिति ने कृत कार्य नोट किया ।

(कार्रवाई : डॉ धनेश्वर प्रधान, वैज्ञानिक-बी, सस्य विज्ञान)

9. नेटवर्क परियोजना पीआईसी-01003 सीएन- शहतूत में जीनॉमिक सिद्धांतों से आनुवंशिकी वृद्धि:

1. एनडब्ल्यू2एः शहतूत में क्यूटीएल की पहचान हेतु सह-मानचित्रण और द्वि-जनकविश्लेषण द्वारा उच्च सांद्रता वाले एस एन पी जीनोटाइप समूह का मान्यकरण

2. एन डब्ल्यू2बी: शहतूत में सह मानचित्रण द्वारा सूखा अनुकूल विशेषकों के लिए क्यूटीएल की पहचान

3. एन एन डब्ल्यू2सी: शहतूत में उपज से संबंधित विशेषकों के लिए क्यूटीएल की पहचान
एन डब्ल्यू2सी: शहतूत में उपज से संबंधित विशेषकों के लिए क्यूटीएल की पहचान

4. एनडब्ल्यू2डी:पोषक उपयोग क्षमता के लिए क्यूटीएल की पहचान ।

5. एनडब्ल्यू2ई: स्थायी शहतूत उपज: सहलग्नता मानचित्रण एवं विशेषक इंट्रीग्रेशन द्वारा मूल विगलन रोग प्रतिरोध क्षमता से संबंधित क्यूटीएल की पहचान ।

6.एनडब्ल्यू 3 बी: सूखा प्रतिबल सहनशीलता हेतु आधुनिक ट्रान्सजेनिक शहतूत का विकास एवं विद्यमान ट्रान्सजेनिक शहतूत का विशेष क्षेत्र परीक्षण के लिए अभिलक्षणन

7. एनडब्ल्यू 4 ए: शहतूत में आहार गुणवत्ता के लिए कारक जैव चिह्नकों की पहचान हेतु परवर्ती चयापचयों का गुणात्मक एवं परिमाणात्मक विश्लेषण

निर्णय: डॉ. जी.एस.अरुण कुमार, वैज्ञानिक-सी ने परियोजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति का जायजा लिया ।

चालू परियोजनाओं की प्रगति

1. पीआईबी 3632: विभिन्न कृषि जलवायु स्थिति के अधीन उपज एवं श्रेष्ठ त्रिगुणित जीनप्ररूपों का मूल्यांकन

निर्णय: डॉ.एम.के.रघुनाथ ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और समिति ने लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करने की सलाह दी ।

(कार्रवाई : डॉ.एम.के.रघुनाथ, वै-डी,शप्रआ)

2.पीआईई 01022 एस आई: आशाजनक शहतूत जीनप्ररूपों का अधिक पत्ती उपज एवं मूल विगलन और मूल गांठ रोग प्रतिरोध क्षमता के लिए मूल्यांकन

निर्णय: डॉ.मंजप्पा ने परियोजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की समिति ने प्रगति नोट करके सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई : डॉ.मंजप्पा, वैज्ञानिक-सी,शआप्र)

3. पी.आई.ई.13001(अभाशसप्र चरण) अखिल भारतीय शहतूत समन्वित प्रयोगात्मक परीक्षण

(कार्रवाई : डॉ.मंजप्पा, वैज्ञानिक-सी,शआप्र)

4. पीपीए010116एस.आई: दक्षिण भारत के रेशम उत्पादन कृषकों के बीच व्यापक स्वीकृति हेतु वृक्ष कृषि के लिए कृषि आधारित पैकेज का विकास

निर्णय: डॉ.धनेश्वर प्रधान ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट करके सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई : डॉ.धनेश्वर प्रधान, वैज्ञानिक-बी, सस्य विज्ञान)

5. पीआईसी-01007 एस आई: क्लिनिक में उपयोग करने हेतु चिकित्सा के लिए उपयोगी रेशम(कोसा सेरिसिन, फाइब्रोइन)उत्पादित करने हेतु प्रोटोकॉल विकसित करना

निर्णय: डॉ रविंद्रा ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट करके सलाह दी है कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई : डॉ रविंद्रा, वैज्ञानिक-सी, मृविर)

6. पीआरपी-01015 एस आई: शहतूत में एकीकृत मूल विगलन रोग प्रबंधन में प्रतिरोधी सूक्ष्माणुओं की पहचान, मूल्यांकन एवं सम्मिलन

निर्णय: डॉ. जी.एस.अरुण कुमार, वैज्ञानिक-सी ने परियोजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

समिति ने प्रगति नोट करके सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

7. पीआईबी 3633: देशी और विदेशी जननदव्य का व्यापक उपयोग करते हुए अधिक उत्पादक एवं व्यापक तौर पर स्वीकृत शहतूत का विकास

निर्णय: डॉ. जी.एस.अरुण कुमार, वैज्ञानिक-सी ने परियोजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

समिति ने प्रगति नोट करके सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

8. पीआईईई-01014एस आई. शहतूत के लिए सुस्पष्टता,एकरूपता और स्थायित्व विशेषकों का विकास और उनका मूल्यांकन

निर्णय: श्रीमती भव्या, एम आर, वैज्ञानिक-बी ने परियोजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और समिति ने प्रगति नोट करते हुए सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

9. एआईबी 01004 एम आई- देशी और विदेशी द्विप्रज नस्लों का उपयोग करते हुए बहुप्रज नस्लों का विकास

निर्णय:डॉ.के.बी.चंद्रशेखर ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की समिति ने प्रगति नोट कर सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई : डॉ.के.बी.चंद्रशेखर,वै-डी, बीबीएल)

10. एआईईई 01026 एम आई:वाणिज्यिक उपयोग के लिए प्राधिकरण हेतु नए द्विप्रज संकर बीएफसी1xबीएफसी10 का कृषक स्तर पर मूल्यांकन

(कार्रवाई : डॉ.के.बी.चंद्रशेखर,वै-डी, बीबीएल)

11. एआईबी 01 009 एम आई :वाणिज्यिक उपयोग के लिए प्राधिकरण हेतु नए द्विप्रज संकर टीटी21xटीटी56 का कृषक स्तर पर मूल्यांकन

निर्णय: डॉ. के.एन. मधुसूदन, वै-डी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की समिति ने प्रगति नोट कर सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ के.एन. मधुसूदन, वै-डी,द्विप्रप्र)

12.एआईसी01023एस आई : रेशमकीट बोम्बिक्स में कीटनाशी प्रतिरोधी जैवचिह्नकों के लिए

निर्णय: डॉ.सतीश.एल वै-सी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया और सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

13. वाणिज्यिक उपयोग हेतु बोम्बिक्स मोरि एल के स्व-लिंग निर्धारित उच्च उत्पादक रेशमकीट नस्लों/संकरों को अंड अवस्था में विकसित करना तथा ओप्टिकल सॉर्टिंग (प्रकाशीय छंटाई) विधि से नर रेशमकीटों को अलग करना

डॉ एल. कुसुमा, वैज्ञानिक सी, ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की समिति ने प्रगति नोट किया एवं यह सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ एल. कुसुमा, वैज्ञानिक सी, बीबीएल)

14. बीपीएस 01013 सीएन: रेशमकीट प्यूपा उत्पादों का मानव व पशु की खपत और वानस्पतिक खाद निर्माण के लिए उपयोग एवं विविधीकरण

निर्णय: डॉ वाई तिरुपतय्या, वैज्ञानिक-सी ने समिति के समक्ष प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया और सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ वाई तिरुपतय्या, वैज्ञानिक-सी, रेशवि, बीबीएल)

15. एआरपी -01019एस आई: बोम्बिक्स मोरि में न्यूक्लियर पोलिहाइड्रोसिस वाइरस संक्रमण के नियंत्रण हेतु पीआई3के-एकेटी मार्ग प्रतिबंधित करने के लिए ड्रग की जांच ।

डॉ जी मल्लिकार्जुन, वैज्ञानिक-सी ने समिति के समक्ष प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया और सलाह दी कि लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम पूरा करें ।

(कार्रवाई : डॉ जी मल्लिकार्जुन, वैज्ञानिक-सी, रेशमकीट रोग विज्ञान)

16. पीपीएफ01017एस आई: दक्षिण भारत में शहतूत रेशम उत्पादन का लेखा जोखा

निर्णय: डॉ. मुत्तुलक्ष्मी ने वैज्ञानिक-डी समिति के समक्ष प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया और सलाह दी कि निर्धारितलक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई : रवींद्र मट्टिगट्टी, वैज्ञानिक-डी, सीम)

17. पीआईएन01018एस आई: शहतूत की वृद्धि एवं विकास में पोटैशियम संग्रहण बैक्टीरिया फैटीरिया औरेन्शिया का प्रभाव

निर्णय:डॉ एन.दाहिरा बीवी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट करते हुए यह सलाह दी कि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई : डॉ एन.दाहिरा बीवी, वैज्ञानिक-डी,क्षेरेअकें)

18. एम ओ ई 01021 एस आई : दक्षिण भारत के शहतूत क्षेत्र में विकसित उन्नत प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन एवं लोकप्रियकरण

संघटक-1:वाणिज्यिक चॉकी कीटपालन केंद्र में आहार पूरक सूत्रीकरण का मूल्यांकन

(कार्रवाई:ई.भुवनेश्वरी, वैज्ञानिक सी, रेशमकीट शरीरक्रिया विज्ञान)

संघटक-2 कर्नाटक के कोलार क्षेत्र में जी 11×जी 19 द्विवि संकर का लोकप्रियकरण

निर्णय: डॉ. के.एन. मधुसूदन, वै-डी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया एवं सलाह दी कि लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ के.एन. मधुसूदन, वै-डी,द्विप्रप्र)

संघटक-3 द्विप्रज उत्पादक संकर, डीएचपी का कृषक स्तर पर मूल्यांकन

निर्णय: डॉ.आर.मीनल ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट कर यह सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ.आर.मीनल, वै-डी,द्विप्रप्र)

संघटक-4: बहु विषाणु रोग प्रतिरोधी द्विप्रज संकर आरडीएन 1

निर्णय: डॉ.सतीश.एल वै-सी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की समिति ने प्रगति नोट करने के उपरांत यह सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ.सतीश.एल वै-सी, रेरोवि)

संघटक-5: कावेरी गोल्ड: कोसा उत्पादकता और रेशम गुणवत्ता हेतु उन्नत संकर नस्ल

निर्णय: डॉ चंद्रशेखर.के.बी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया सलाह दी है कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ चंद्रशेखर.के.बी, वै-डी,शप्रप्र)

संघटक-6: : उन्नत शुद्ध मैसूरु पीएम-4 वंश का राज्य रेशम उत्पादन विभाग के मूल बीज फार्म, कर्नाटक एवं संकर नस्ल का कृषक स्तर पर मूल्यांकन

निर्णय: डॉ चंद्रशेखर.के.बी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट करने के बाद यह सलाह दी कि लक्ष्यानुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ चंद्रशेखर.के.बी, वै-डी,शप्रप्र)

उच्च तापमान एवं आर्द्रता वाले विभिन्न क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हृष्ट-पुष्ट द्विप्रज रेशमकीट संकरों का मूल्यांकन

संघटक-7 निर्णय: डॉ आर.मीनल,वैज्ञानिक-डी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और समिति ने प्रगति नोट किया |

(कार्रवाई : डॉ आर.मीनल,वैज्ञानिक-डी, बीबीएल)

संघटक 8: शहतूत और वन्य सेक्टर में एम-लैम्प प्रौद्योगिकी का मान्यकरण

निर्णय: डॉ जी मल्लिकार्जुन, वैज्ञानिक-सी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया एवं सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ जी मल्लिकार्जुन, वैज्ञानिक-सी, रेरोवि)

संघटक 9: शहतूत उत्पादकता में बूंद संचाई फर्टिगेशन का प्रभाव

निर्णय: डॉ महेश ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया और सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें ।

(कार्रवाई: डॉ आर. महेश, वैज्ञानिक-बी,सस्य विज्ञान)

2. शहतूत का प्रगुणन करने हेतु हाइड्रोपोनिक्स विधि का मानकीकरण

निर्णय: डॉ दिव्या सिंह, वैज्ञानिक-बी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया और समाप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत करने की सलाह दी ।

(कार्रवाई: डॉ दिव्या सिंह, वैज्ञानिक-बी,शशवि)

3. डॉ सतीश.एल, वैज्ञानिक-सी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया और सलाह दी कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करके समाप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत करें ।

(कार्रवाई: डॉ सतीश.एल, वैज्ञानिक-सी,रेरोवि)

4. रेशमकीटपालन के लिए उपयुक्त 3-डी फेब्रिक आधारित चंद्रिके की डिज़ाइन एवं विकास

निर्णय: श्री.एस.एम.हुक्केरी ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । समिति ने प्रगति नोट किया और सलाह दी है कि लक्ष्य के अनुसार काम पूरा करें एवं समाप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत करें ।

(कार्रवाई: एस.एम.हुक्केरी, वैज्ञानिक-डी,एस ई डी)

सामान्य टिप्पणी

- सभी रिपोर्ट संबंधित प्रभागीय प्रमुख के माध्यम से निर्धारित समय के अंदर प्रस्तुत करें ।
- प्रस्तुत किए गए रिपोर्ट में अन्वेषकों के नाम का अद्यतन कर लें ।

(डॉ बाबूलाल)

(अध्यक्ष-आरसी)